श्याम से नेहा लगाए राधे नीर बहाए

श्याम से नेहा लगाए,
राधे नीर बहाए ।

जाके गुण बाँसुरिया गाती,
वो हारी लिख लिख कर पाती ।
जा के बिन है श्याम अधुरो,
वो बिरहन कहलाये ॥

पीली पड़ गई केसर काया,
रूप ने अपना रूप गवाया ।
दीपक छेड़ रहें हैं आंसू,
ठंडी आग लगाए ॥

https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/343/title/shyam-se-neha-lagaaye-radhe-neer-bahaaye

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |